

गिदोन रौ बिश्वास



Bangani

गिदोन रौ बिश्वास

Bangani
uttarkashi, uttrakhand, india



[Needs Copyright](#)



<http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/>

You are free to make commercial use of this work. You may adapt and add to this work.

You must keep the copyright and credits for authors, illustrators, etc.

Big Book in Bangani language

Orange Level Book

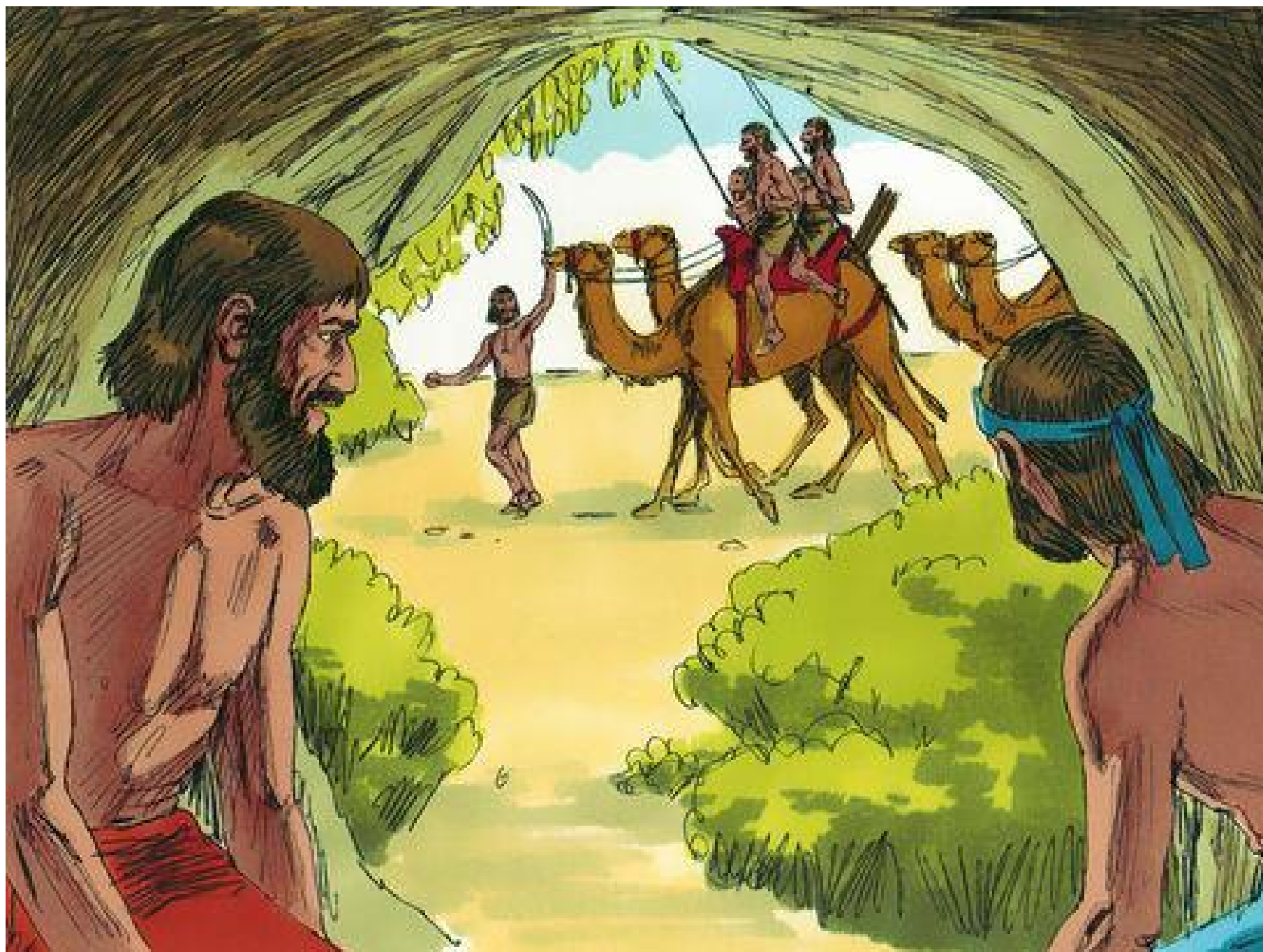
परकाशण:-

NLCI

बंगाणी मसी समिति समू

दो बात

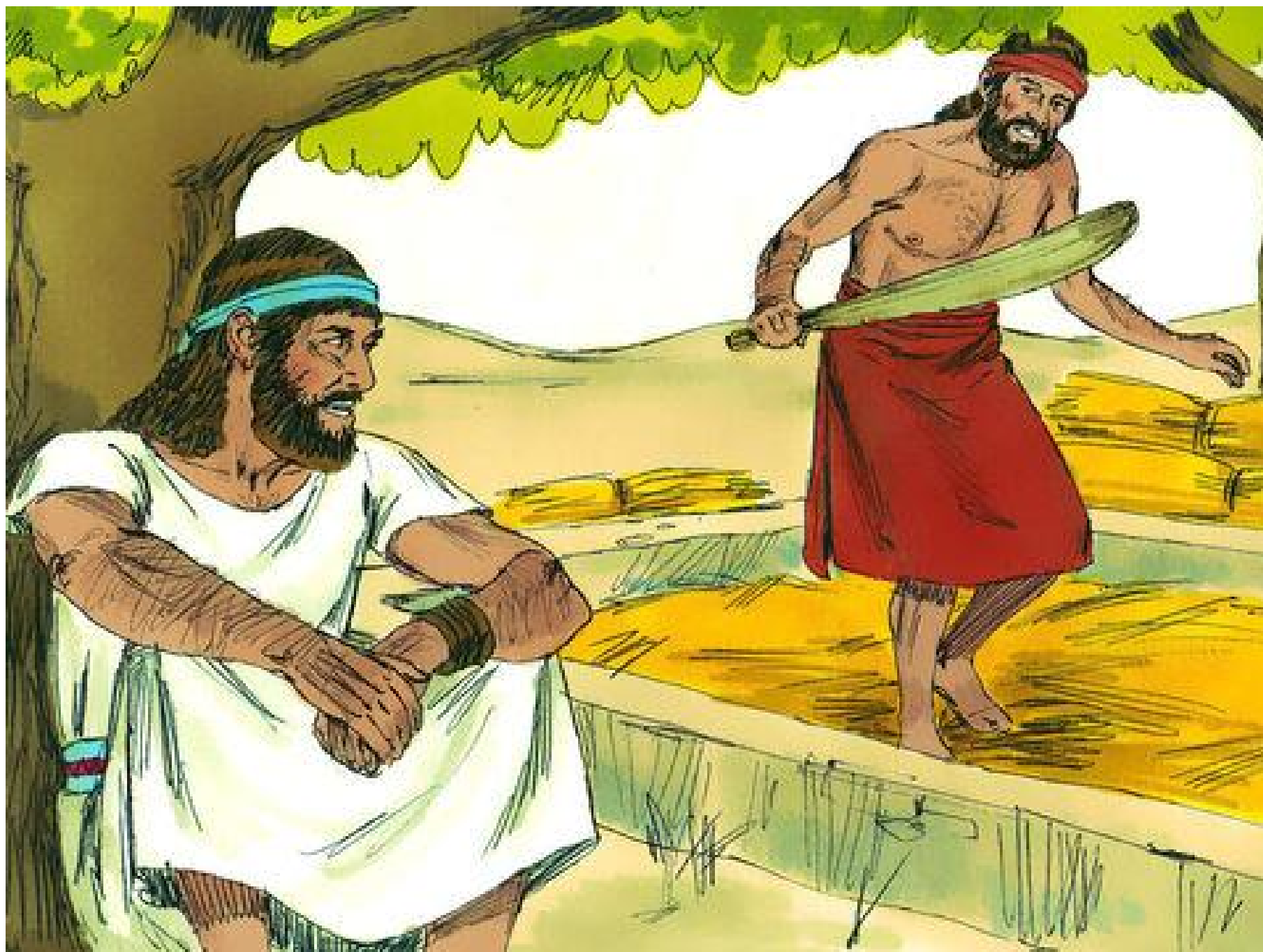
हम बंगाणी क्षेत्र में साक्षरता कार्यक्रम चला रहे हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ना लिखना सीख सकें। उसी आधार पर इस किताब को भी तैयार किया गया है। यह एक कहानी की किताब है जिसमें गिदोन के विश्वास के बारे में बहुत ही सरल रीति से बताया गया है इस कहानी को हमने अपनी मातृभाषा में ही तैयार किया है जिससे वह इस कहानी को आसानी से समझ सके। और अपनी मातृभाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास भी कर सकें।



જૌ ઇસ્લાહલી લોગુ પરમેશ્વર રિ નજર દિ દુજાળિયૈ
પાપ કિયૌ, તૈબૈ પરમેશ્વરેઢ સૈ મિદાનિઁં રૈ બશ દિ
કિયૈ । મિદાની લોગ તિઁં માઁં ઔત્યાચાર કૌરૈણ
થૈ, ઁજી બૌજૈ કૌઢ ઇસ્લાહલી તિઁંકૌઢ ડૌરિયૌ
ડાન્ડૈ રૈ ગડૌઁં દિ ઔજિ ઔડારું દિ રૌયૈણ થૈ ।



औज़ि ज़ेत्रा – ज़ेत्रा इस्राइली डोखरै बौयैण थै,
तेत्रा – तेत्रा मिदानी लोग आइयौ तिउँरै सारै
डोखरौउँ रौ नाश कौरैण थै, औज़ि इस्राइलिउँ रै
सारै खाणे रि चीज़ै, औज़ि गाई औज़ि बेड़
बाकरिउँ बि पोरु नीयैण थै, एज़ी बौज़ै कौइ
इस्राइली लोग मिदानीउँ कौइ परेशान उइयौ
परमेश्वर कौइ बिनती कौरदै लागै।



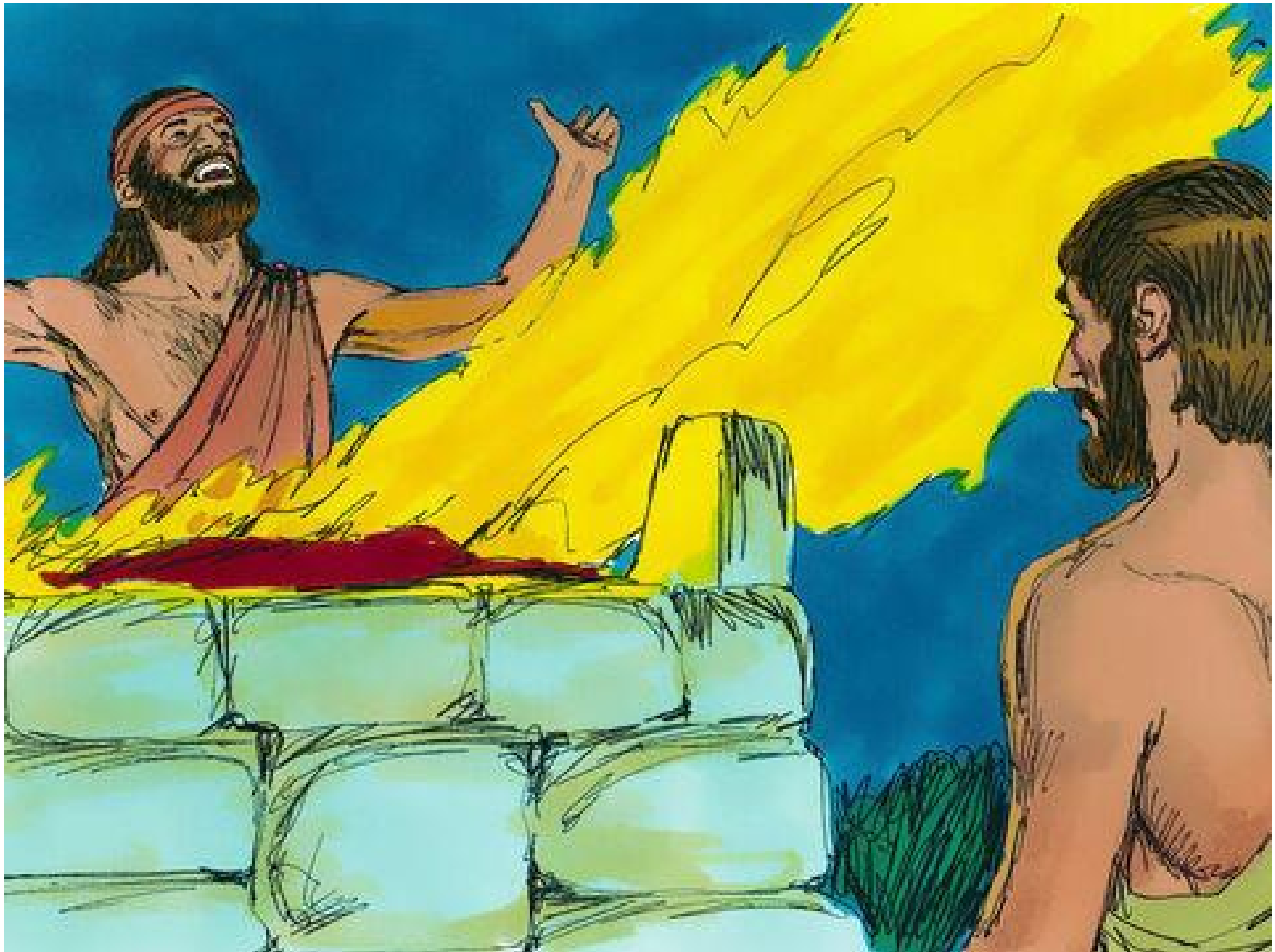
तैबै परमेश्वरेइ आपड़ौ एक दूत गिदोन नौऊं रै
एक माणछै काई छाड़ौ सेजै बौक्ते दि सेउ गडे
दि गिउं रौ थौ जाड़दै लागी। तैबै दूतेइ परमेश्वर
आरि बोलौ, ए शुरबीर – सूरमा परमेश्वर तेरै
साथै, तैबै गिदोनेइ बोलौ, जौ परमेश्वर आमारै
साथै औयै थौ तै ऐ परेशानी आमु माइं केलाइ
आए थी?



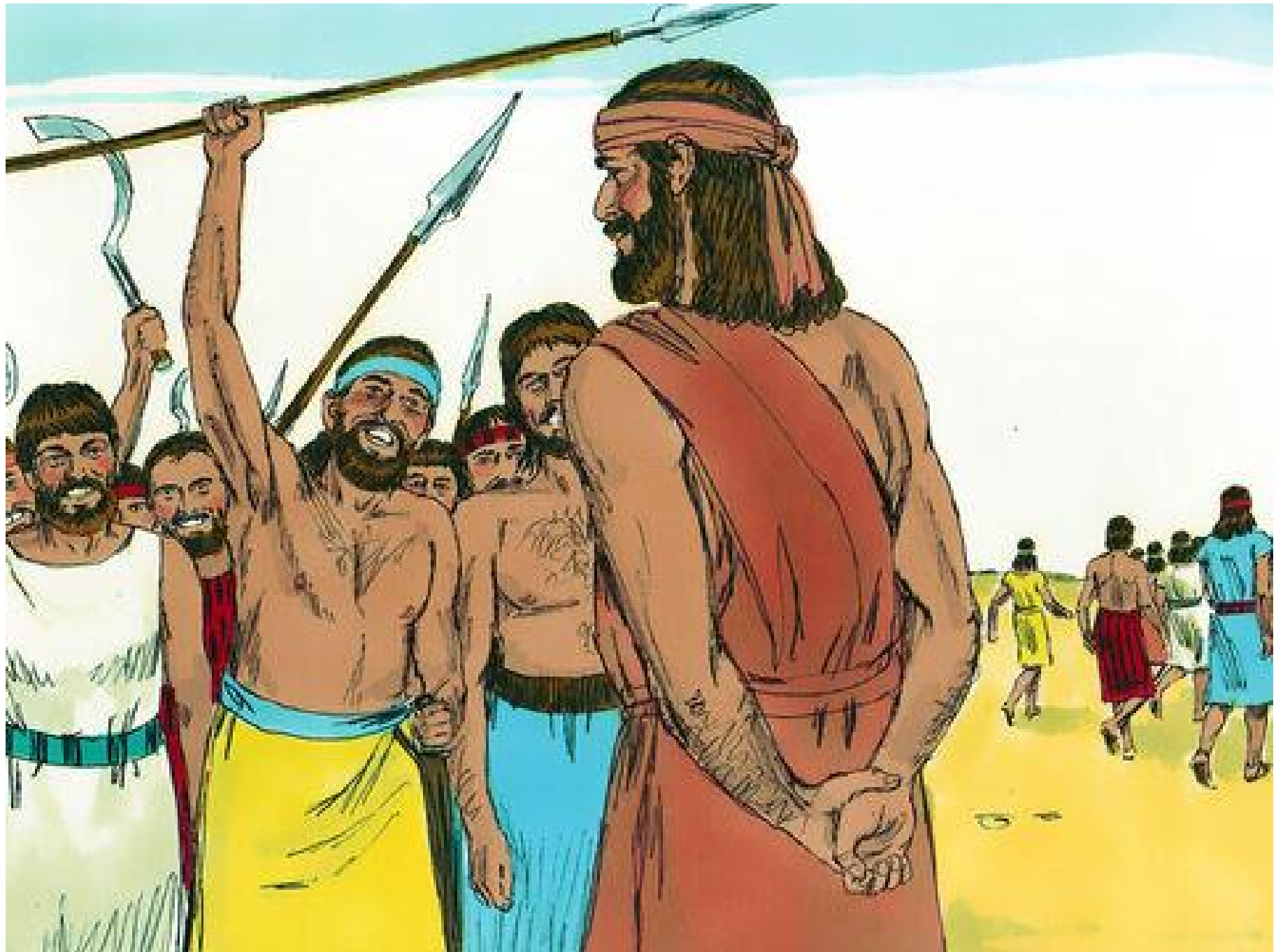
तैबै परमेश्वरेइ गिदोन आरि बोलौ, कि तु
आपड़ी एज़ी शौक्ति रै साथै डेरु, औज़ि तु
इस्राइलिउं मिदानिउं रै बश कौइ छुड़ाए लौ।
आउं छौइखी तेरै साथै रौऊ औज़ि तु मिदानिउं
एशौ पिटै लौ जेशौ एक माणछेइ, तैबै गिदोनेइ
दूत खी खाणौ चाणौ।



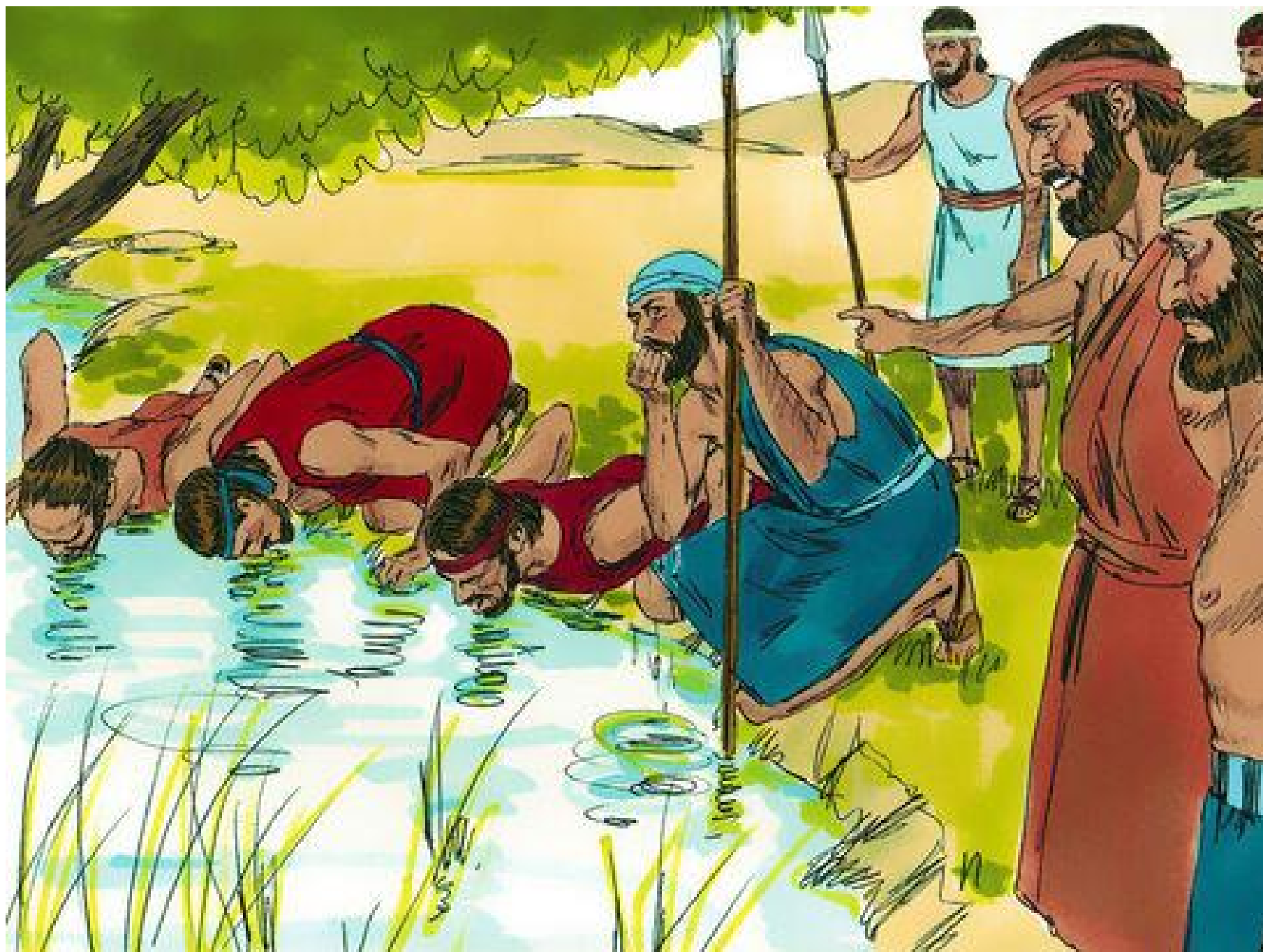
तैबै दूतेइ गिदोन आरि बोलौ, एस डोळै माइं
थौऊ, तैबै तिणी तेशौइ कियौ, तैबै दूतेइ आपडै
आथै रौ डींगै कौइ सेउ खाणौ छुंऔ। औज़ि
छुन्दुइ सेउ खाणौ बस्म उवौ तेतबासियै दूत
गिदोन काई कौइ गायब उवौ, तैबै गिदोन
आपडै शैर खी डैऔ।



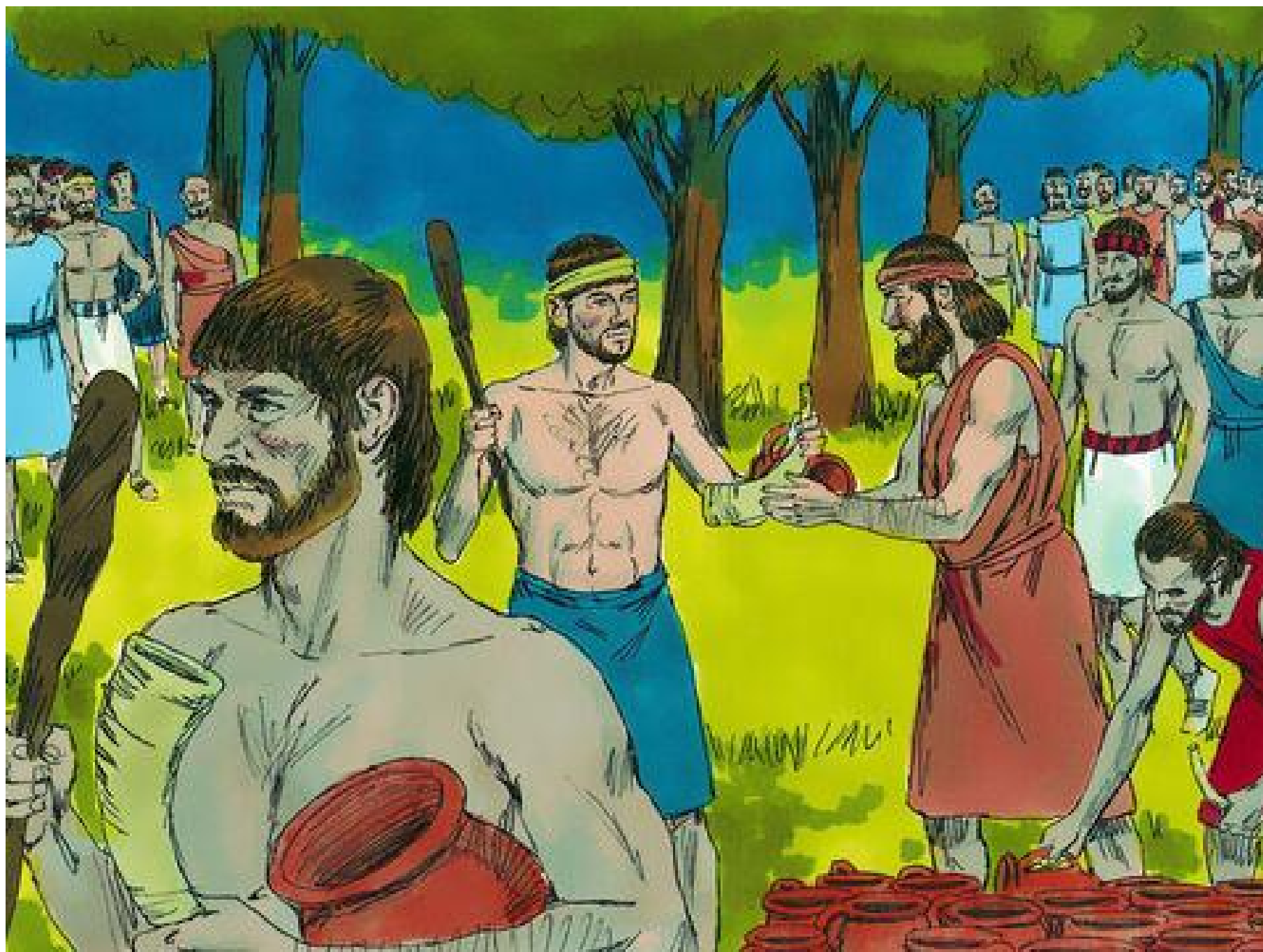
तैबै परमेश्वरेइ गिदोन आरि बोलौ, तु अशेरा रि
मुरत काट; औज़ि मुकेखी एक बेदि चाणियौ,
तेसमाइं होमबौळी चौड़ाऊ, तैबै गिदोनेइ तेशौइ
कियौ। तेतबासियै मिदानी अमालेकी औज़ि
पूर्वी लोग इस्राइली लोगु रै साथै ज़ुटिणे खी
कौट्टै उवै औज़ि इज्जेल रि गौइरिउं दि डेरै पायै।



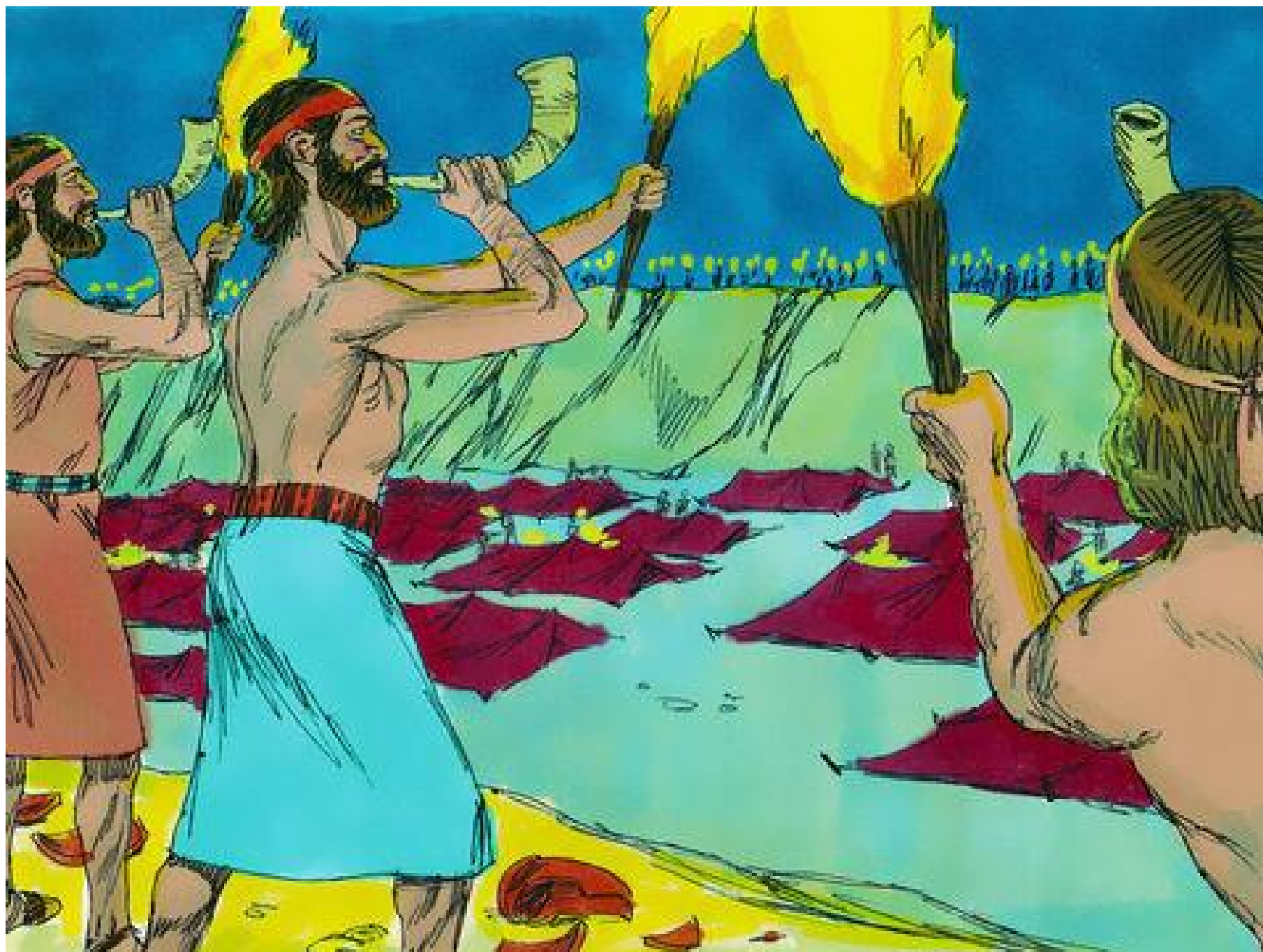
तैबै परमेश्वर रौ आत्मा गिदोन दि डैऔ, तैबै
तिणी रौणशींग फुक्रौ। तैबै इस्राइलिउं रै कुछ
खानदानी रै लोग बी मिदानिउं रै साथै ज़ुटिणे
खि कौट्टै उवै पर परमेश्वरेइ गिदोन आरि बोलौ,
ज़ुण्जै लोग तेरै साथै सै बौरी एज़ी बौजै कौइ
आउं मिदानिउं कौइ तुमु ना छुड़ाइ सौकदौ।



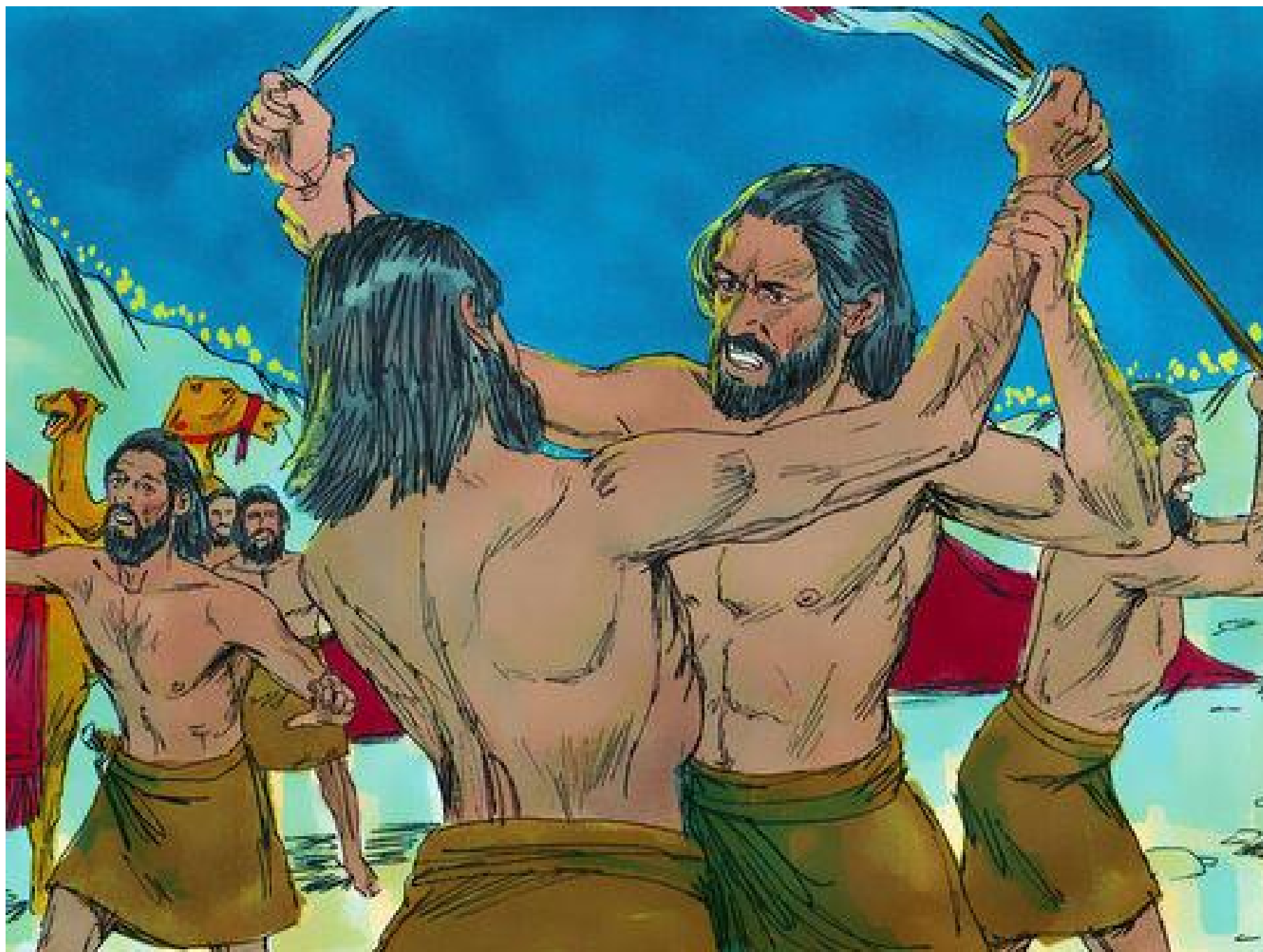
तु डेइयौ आपडै लोगु आरि बोल, तुम माइं कौइ
जुण्जै लोग डौरैण सै एतकौइ पोरु डै लै। तैबै
बाइश औज़ार लोग तेतकौइ पोरु डै, औज़ि दश
औज़ार लोग तेथिकै रौए तैबै परमेश्वरेइ गिदोन
आरि बोलौ, इबी बि लोग ज़ादा, इऊं पाणि
काई गिण जिऊं जापी – जापियौ पाणि पियौ
तिऊं अलग गाड़।



तैबै ज़िऊं लोगु जापी - जापियौ पाणि पियौ सै
चीन शौ लोग थै। तैबै परमेश्वरेइ बोलौ इऊं चीन
शौ लोगु कौइ आउं ताउंके ज़ीत देआउं, तैबै
परमेश्वरेइ गिदोन आरि बोलौ कि तु डेऊ, तैबै
गिदोनेइ चीन शौ लोगु रि चीन खुमळी चाणी।



औज़ि गिदोनेइ हर एक माणछै रै आथे दि
रौणशींग औज़ि खाली गौड़े औज़ि गौड़े दि
बिन्डियालै देणै, तैबै गिदोनेइ लोगु आरि बोलौ,
जौ आउं रौणशींग फुक्रू लौ तै तुमै बि रौणशींग
फुक्रियौ, औज़ि एशौ बोलियौ, परमेश्वर रि औज़ि
गिदोन रि तौलवार, तैबै सै मिदानिउं रै डेरै
काई पौइंचै ।



औज़ि पौइचियौ रौणशींग फूक्रौ औज़ि चिन्या
खुमळी रै लोगु बि रौणशींग फुक्रौ औज़ि सै गौड़ै
पोरु बाने, औज़ि बिन्डियाळै आथे दि गिणियौ
लौलियान्दै लागै, “परमेश्वर रि औज़ि गिदोन रि
तौलवार, तैबै मिदानिउँ रै सारै लोगु माइं बाग
दौड़ माच्ची। औज़ि परमेश्वरेइ तिउँ माइं एक दुजे
दि तौलवार चौलाइ औज़ि सै पोरु ज़ाँगै।



तैबै मिदानी लोग तेतकौड़ पोरु बागै एशेशै कौड़
परमेश्वरेइ चीन शौ लोगु रै ज़ौरियै गिदोन कै
ज़ीत देआइ, औज़ि तेतबासियै गिदोन रै ज़िन्दगी
बर चाळिश साल ज़ौउं इस्राइल दि शान्ति रौइ।

For the Teacher

This Big Book is designed to be used for two weeks. It promotes enjoyment of storybooks, development of vocabulary, the skills of prediction, sequencing and main idea, and the understanding that books are made up of words.

On **Monday**, the teacher

- shows everyone the cover of the book
- reads the title, while moving a finger under it
- turns to the first page, and discusses the picture (asks the children to predict what will happen)
- reads the text on the first page, fluently (not slowly), and
- asks the children what they think they will see on each page. (The teacher is the only one “reading.”)

On **Tuesday**, the teacher

- shows everyone the book, and
- reads the story again, following the words with a finger, without as much discussion of the pictures.

On **Wednesday**, the teacher

- invites children to join in with “reading” when the story comes to parts which are familiar to them
- shows a flashcard from the story and tells the class what the card says, and
- invites children to find the same word in the storybook (or to match the card with the word in the book to see if it is the same)

On **Thursday**, the teacher

- points smoothly to the words in the story and lets some volunteers “read” a page, if they can remember the story by now, and
- lets the children match the flashcards to the words in the story.

On **Friday**, the children

- act out (dramatize) the story as others help the teacher “read” it.

यह किताब NLCI संस्थान के द्वारा तैयार की गई है।

हम मातृभाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अन्तर्गत हम अपने क्षेत्र में अलग अलग भागों में शिक्षा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें। और पढ़ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें।

हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मातृभाषा का उपयोग करते हैं। इसलिए हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिए जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते हैं। उसे उन्हीं की मातृभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें।

हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मातृभाषा में वयस्क शिक्षक ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिये तथा बच्चों के लिये भी अलग-अलग तरह की पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मातृभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे की बच्चे अपने बचपन से ही अपनी मातृभाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।

.....धन्यवाद.....



This book was created with some Bloom Enterprise features enabled at no cost in order to support projects solely funded by the local community.